सत्यमेव जयते
बी0एल0 स्वर्णकार,
IAS
निदेशक

माध्यमिक शिक्षा, राजस्थान
बीकानेर-334001
☎ 0151-2522238 (का.) 2200222 (नि.)
फैक्स : 0151-2201861
E-mail : commsecedu@yahoo.com
dir.dse@rajasthan.gov.in

अ.शा.पत्रांक : शिविरा–मा / माध्य / निप्र / नवाचार / 2017/5।
दिनांकः 26-01-2017

प्रिय संस्था प्रधान

जैसा कि आपको विदित ही है कि विभाग द्वारा कक्षा–10 के बोर्ड परीक्षा परिणाम उन्नयन हेतु महत्वाकांक्षी कार्य योजना "प्रयास–2017" निर्मित की गई है। इस योजना का वास्तविक क्रियान्वयन धरातल पर आपके सद्प्रयासों से ही सम्भव है। आप द्वारा पूर्व में शिक्षार्थी हित में विभाग द्वारा सौंपे गए अनेक महत्वपूर्ण कार्यों का सफल सम्पादन कर विभाग की गरिमा एवं छवि में सकारात्मक वृद्धि में प्रशंसनीय योगदान दिया गया है। इसी क्रम में वर्तमान सत्र में विभिन्न विद्यालयों द्वारा अपने स्तर पर अतिरिक्त कक्षाओं का आयोजन, ब्लॉक एवं जिला स्तर पर कठिन विषयों के लिये परिचर्चा, मॉडल प्रश्न पत्रों का निर्माण तथा प्रयोग, मण्डल स्तर पर संचालित अभियान "मिशन मेरिट" आदि इसी स्वःप्रेरणा से संचालित कर्मयोग का शिक्षा में अवतरण है।

इसी कम में राज्य स्तर पर भी पढाई के परिष्कार की प्रवृत्ति का पथ ढूंढने का प्रथम प्रयास है– ''प्रयास 2017''। इसका लक्ष्य है, कक्षा 10 के अपेक्षाकृत कठिन माने जाने वाले विषयों गणित, विज्ञान एवं अंग्रेजी को सरल तरीके के विद्यार्थियों तक पहुंचाना, जिससे रटने की प्रवृत्ति से मुक्त होकर विद्यार्थी जटिल लगने वाली विषय वस्तु को आसानी से समझ ले और यह ज्ञान स्थाई हो सके। इसके लिये गत परीक्षाओं में गुणात्मक रूप से उत्कृष्ट परिणाम देने वाले शिक्षकों को यह महती उत्तरदायित्व प्रदान किया गया। उत्प्रेरण हेतु कार्यशालाएं आयोजित कर विचारोत्तेजक "ब्रेन स्टोर्मिंग सेशन" चलाए गए। उनके द्वारा इन विषयों को परम्परागत शिक्षण विधि को त्याग कर नवीन विधियां, जो न केवल आंचलिकता का पुट लिये हुए थी, वरन् आनन्ददायी भी थी, इसलिये आसानी से मस्तिष्क के पटल पर स्थाई होने का सामर्थ्य भी रख सकी। इन विषयों के पाठ्यक्रम को प्रकरणवार बांटा जाकर इन विशेषज्ञों के प्रकरणवार समूह बनाए गये और हर प्रकरण पर किये जाने वाले नवाचारों को संग्रहित किया गया, जिन्हें राज्य स्तर तक सभी विद्यालयों में बांटा जा रहा है। विभाग की इस महत्वाकांक्षी योजना को मूर्त्त रूप प्रदान करने हेतु समस्त स्टाफ के टीम लीडर के रूप में प्रेरक एवं सार्थक भूमिका की आपसे अपेक्षा है । गत वर्ष इन विषयों में न्यून परिणाम देने वाले विद्यालयों पर कियान्वयन का प्रबोधन जिला स्तर पर किया जाएगा। इस प्रकार निश्चय ही परिणाम का परिष्कार कर सकेगा – ''प्रयास 2017''।

विभाग द्वारा आयोजित किए जा रहे इस शैक्षिक यज्ञ की सफलता सभी मण्डल–जिला अधिकारियों, संस्थाप्रधानों एवं शिक्षकों के सामूहिक प्रयत्नरूपी पूर्णाहुति से ही सम्भव है। अतः इस अभियान रूपी रथ के मुख्य सारथी के रूप में आपसे पुरजोर आह्वान है कि "प्रयास– 2017" के आग्रह को आत्मसात करें एवं संलग्न प्रेषित शैक्षिक/अध्ययन सामग्री का लाभ शिक्षार्थियों तक पहुंचाएं, जिससे कि आप सही अर्थो में ज्ञान के स्थाईत्व के संवाहक बन सकें।

सादर!

शुभेच्छु

(बी0एल0स्वर्णकार)

प्रधानाचार्य / प्रधानाध्यापक
राउमावि / राबाउमावि / रामावि / रांबामावि

www.rajteachers.com